



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 389] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 27, 1976/अग्रहायण 6, 1898

No. 389] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 27, 1976/AGRAHAYANA 6, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 27th November 1976

G. S. R. 902(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts articles of gift (upto rupees one thousand in value) received by a person belonging to any class of persons specified in the Schedule annexed hereto from any foreign Government and imported by the said person into India as part of his baggage, from —

- the whole of the duty of Customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);
- the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, 1975;
- the whole of the auxiliary duty of Customs leviable thereon under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act;

(i) if a declaration is made in accordance with the provisions of section 77 of the Custom Act, 1962 (52 of 1962);

(ii) if the said person declares that he is a person belonging to any class of persons specified in the said Schedule.

2. Where the value of any such article of gift or the aggregate value of such articles of gift exceeds rupees one thousand, duty shall be levied on such article or articles in respect of so much of such value as is in excess of rupees one thousand.

SCHEDULE

1. Ministers of the Union or of a State or of a Union territory.

2. Persons holding any appointment in any public service or post in connection with the affairs of the Union or of any state, but not being persons appointed in any corporation, established by or under any law, or owned or controlled by the Government.

[No. 442/F. No. 495/38/76-Cus. VI]

M. JAYARAMAN, Under Secy.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1976

सा० का० नि० 902 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है (एक हजार रुपये मूल्य तक की) वस्तुओं को निम्नलिखित शुल्कों से उस दशा में छूट देती है जब वे इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के किसी प्रवर्ग के किसी व्यक्ति को किसी विदेशी सरकार से प्राप्त हों और उस व्यक्ति द्वारा अपने सामान के भाग स्वरूप भारत में आयातित की जाए, अर्थात् :—

- (क) सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमा-शुल्क ;
- (ख) उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क ;
- (ग) उक्त वित्त अधिनियम की धारा 32 की उपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सहायक सीमा शुल्क ;

उपरोक्त छूट तब ही प्राप्त होगी जब ऐसा व्यक्ति

- (i) सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 77 के अनुसरण में घोषणा करता है ; वह उस पद पर बना हुआ था जिस पर वह भारत के बाहर जाने क तुरन्त पूर्व था ;

(ii) यह घोषणा करता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रवर्गों में से किसी प्रवर्ग का है।

2. जहाँ ऐसे दान को किसी ऐसी वस्तु या वस्तुओं का सकल मूल्य एक हजार रुपये से अधिक है वहाँ ऐसी वस्तु या वस्तुओं के मूल्य के उतने भाग पर शुल्क प्रभाय होगा जो एक हजार रुपये से अधिक है।

अनुसूची

1. संघ या किसी राज्य अथवा किसी संघ राज्य क्षेत्र का कोई मंत्री।

2. संघ या किसी राज्य के कार्यकलापों के सम्बन्ध में किसी लोकसेवा में पद धारण करने वाला या पद पर नियुक्त कोई व्यक्ति किन्तु किसी विधि द्वारा या उसके अधीन स्थापित, या सरकार के स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा नियंत्रित किसी निगम में नियुक्त कोई व्यक्ति इसमें नहीं आता है ;

सरकार या राज्य सरकारों या संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन में प्रति नियुक्त हैं।

[सं० 442/फा० सं० 495/38/76-सी० शु० 6]

एम० जयरामन, अवर सचिव।

